Daily Current Affairs

Date : 26 September, 2025

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	प्रधानमंत्री का राजस्थान दौरा
2.	आभानेरी उत्सव – 2025
3.	राज्यव्यापी F.M.D. रोग नियत्रंण कार्यक्रम
4.	राजस्थान में क्रेच सेंटर्स की स्थापना
5.	राजस्थान में कॉडा इक्विना सिंड्रोम (CES) का उपचार
6.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. एंड्योरेंस साइकिलिंग इवेंट टूर-डी-थार 2025 : मेजबान राजस्थान 2. विकसित भारत संकल्प सम्मेलन : जयपुर 3. राजस्थान में इंटरस्टिशियल लंग्स डिजीज (ILD) 4. राजस्थान में पहली बार TMJ आर्थ्रोस्कोपी मशीन
7.	सजलम भारत शिखर सम्मेलन, 2025
8.	राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (NMC)
9.	K वीजा
10.	भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी : रूस
11.	क्षमता निर्माण और मानव संसाधन विकास योजना
12.	नए इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना
13.	मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (ACC)
14.	संविधान की छठी अनुसूची
15.	GSTAT और GSTAT ई-कोर्ट्स पोर्टल
16.	ECINET पोर्टल
17.	पंडित दीनदयाल उपाध्याय
18.	स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप, 2025
19.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना : हरियाणा 2. 7वां फ्यूचर फूड फोरम, 2025: दुबई 3. हेरोल्ड डिकी बर्ड : अंपायर 4. प्रगति की 49वीं बैठक 5. भारत की पहली विदेशी रक्षा विनिर्माण सुविधा : मोरक्को

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

प्रधानमंत्री का राजस्थान दौरा

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाँसवाड़ा से राजस्थान की 1 लाख 8 हजार 468 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

मुख्य बिन्दु:

शिलान्यास :

- ₹42,000 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से नापला में 'माही बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र।'
- ₹8500 करोड़ की लागत से बीकानेर में 590 मेगावाट का BESS (Battery Energy Storage System) क्षमता युक्त FDRI अक्षय ऊर्जा परियोजना।
- 925 MW नोख सौर पार्क, फलोदी, राजस्थान (RSDCL)
- 200 MW सौर परियोजना, बडनू, राजस्थान (Avaada Group)

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- ₹348 करोड़ की लागत से भोपा एवं बैतिना (जैसलमेर), नौखडा (बीकानेर) में 220 केवी के 3 जीएसएस एवं लाइनें।
- राम जल सेतु लिंक परियोजना अंतर्गत ईसरदा से रामगढ बांध (जयपुर) तक फीडर निर्माण, ईसरदा से खुरा चैनपुरा से बंध बरेठा (भरतपुर) तक फीडर निर्माण, खुरा चैनपुरा से जयसमंद (अलवर) तक फीडर निर्माण।
- अजमेर जिले में मोर सागर कृत्रिम रिजर्वायर निर्माण और बीसलपुर से मोर सागर कृत्रिम रिजर्वायर तक फीडर निर्माण।
- चित्तौड़गढ़ जिले की रावतभाटा तहसील में ब्राह्मणी बैराज का निर्माण।

उद्घाटन :

- ₹2365 करोड़ की कुल लागत से ईसरदा बांध, धौलपुर लिफ्ट परियोजना, तकली परियोजना, बत्तीसा नाला परियोजना, बीकानेर जिले में आईजीएमएन के आरडी 507 पर एस्केप जलाशय।
- डूंगरपुर जिले के संगमेश्वर में माही नदी पर हाई लेवल ब्रिज।
- ₹128 करोड़ की लागत से भरतपुर में निर्मित 250 बेड का आरबीएम चिकित्सालय।
- ₹140 करोड़ की लागत से जयपुर में निर्मित 'आईटी डवलपमेंट एंड ई-गर्वनेंस सेंटर।'

तीन ट्रेनों का शुभारंभ:

- बीकानेर और दिल्ली कैंट के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन।
- जोधपुर और दिल्ली कैंट के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन।
- उदयपुर सिटी - चंडीगढ एक्सप्रेस ट्रेन।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

आईटी डवलपमेंट एंड ई-गवर्नेंस सेंटर:

- **स्थान :** झालाना डूंगरी (जयपुर) स्थित खेतान पॉलिटेक्निक परिसर।
- **संचालन :** राजस्थान सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा हैंगिंग ब्रिज :

- हाल ही में, प्रधानमंत्री द्वारा डूंगरपुर के चिखली में माही नदी पर बने संगमेश्वर हैंगिंग ब्रिज का उद्घाटन किया गया।
- यह राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा हैंगिग ब्रिज है, जो डूँगरपुर और बाँसवाड़ा जिलों के बीच दूरी को कम करता है।
- इस ब्रिज का नाम संत गोविंद गुरू के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने वागड़ क्षेत्र में भगत आंदोलन चलाया था।
- पुल का निर्माण गुजरात सीमा से लगे डूँगरपुर के चीखली ग्राम पंचायत के बेडूवा गाँव में किया गया है। यह स्थान माही-अनास और जाखम नदियों का त्रिवेणी संगम है। इस परियोजना को वर्ष 2016 में स्वीकृति प्रदान की गई।
- 1.925 किलोमीटर लंबे इस पुल के निर्माण में कुल 134 करोड़ रूपए खर्च किए गए हैं।
- इस पुल के बनने से चिखली से बेडुवा की दूरी 4 किमी. और बेडुवा से आनंदपुरी की दूरी 4 किमी. होगी।
- आनंदपुरी से मानगढ़ की दूरी 8 किमी. है। ऐसे में इस पुल के बन जाने से चिखली से मानगढ़ की दूरी केवल 16 किमी. ही रह जाएगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आभानेरी उत्सव – 2025

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान पर्यटन विभाग, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण एवं जिला प्रशासन, दौसा द्वारा 26 और 27 सितंबर, 2025 को आभानेरी उत्सव – 2025 का आयोजन किया गया।

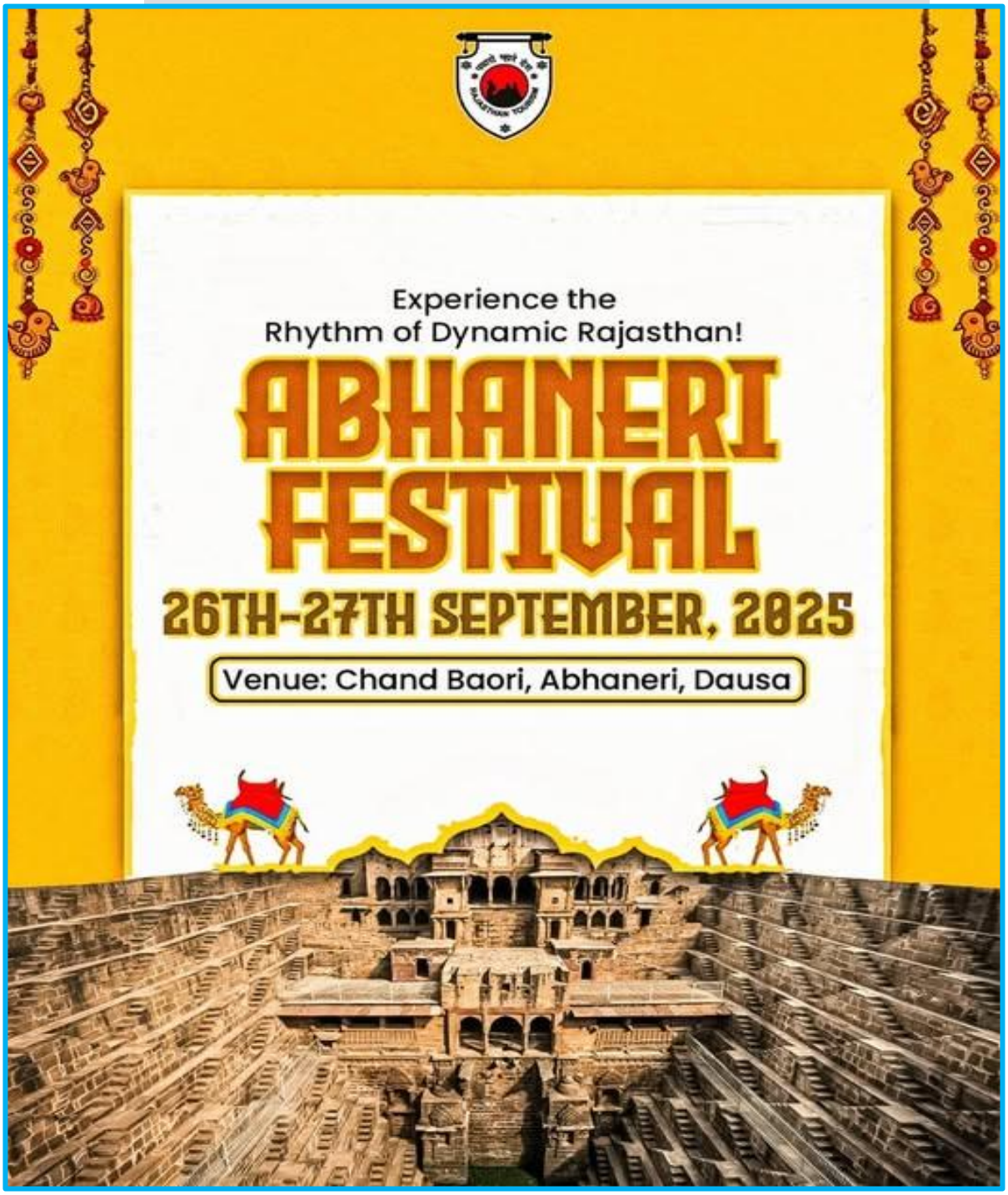

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- आभानेरी या आभानगरी, राजस्थान के दौसा में स्थित एक प्राचीन गाँव (9वीं शताब्दी) है, जो अपने गुप्तोत्तर काल के प्रारंभिक मध्ययुगीन स्मारकों के लिए प्रसिद्ध है।
- यहाँ चाँद बावड़ी (बावड़ी) और हर्षत माता मंदिर दर्शनीय स्थल हैं। यह मंदिर पत्थर पर की गई जटिल नक्काशी का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जबकि बावड़ी में अद्वितीय कलात्मक और स्थापत्य सौंदर्य वाली सीढ़ियाँ हैं।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- **चाँद बावड़ी :** आभानेरी
- **निर्माण :** निकुंभ राजवंश के राजा चाँद (चंद्र) द्वारा।
- यह राजा 8-9वीं सदी में प्राचीन आभानगरी या आभानेरी पर शासन करता था।
- **विशेषता :** वर्गाकार यह बावड़ी 19.5 मीटर गहरी है जिसका प्रवेश द्वार उत्तर की ओर है।
- बावड़ी में उतरने के लिए तीन तरफ से दोहरे सोपान की व्यवस्था है, जबकि उत्तर भाग में स्तंभों पर आधारित एक बहुमंजिला दीर्घा निर्मित है।
- इस दीर्घा से प्रक्षेपित दो मंडपों में महिषासुरमर्दिनी एवं गणेश की सुन्दर प्रतिमाएं प्रतिष्ठित है।
- बावड़ी का प्राकार, पार्श्व बरामदे एवं प्रवेश मंडप मूल योजना में नहीं थे एवं इनका निर्माण बाद में किया गया।
- यह बावड़ी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के अंतर्गत आती है।

हर्षद माता मंदिर : आभानेरी

- इस विशाल मंदिर का निर्माण चौहान वंशीय राजा चांद द्वारा 8वीं-9वीं शताब्दी में करवाया, जो तत्कालीन आभानगरी/आभानेरी का शासक था।
- महामेरु शैली का यह पूर्वाभिमुख मंदिर दोहरी जगती पर स्थित है। मंदिर योजना में पंचरथ गर्भग्रह प्रदक्षिणापथ युक्त है, जिसके अग्रभाग में स्तम्भों पर आधारित मण्डप है।
- गर्भग्रह एवं मण्डप गुम्बदाकार छतयुक्त है जिसकी बाहरी दीवार पर भद्र- ताखों में हिन्दू देवी-देवताओं की प्रतिमाएँ उत्कीर्ण है।
- ऊपरी जगती के चारों ओर ताखों में रखी सुन्दर मूर्तियाँ जीवन के धार्मिक एवं लौकिक दृश्यों को दर्शाती है, जो कि इस मंदिर की मुख्य विशेषता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राज्यव्यापी F.M.D. रोग नियत्रंण कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान के पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत द्वारा राज्यव्यापी F.M.D. रोग नियंत्रण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **शुभारंभ :** पिंजरापोल गौशाला, पाली।
- मवेशियों में खुरपका-मुँहपका रोग (F.M.D.) एक अत्यधिक संक्रामक वायरल रोग है, जो मुँह, पैरों और थनों पर दर्दनाक छाले पैदा करता है, जिससे लंगड़ापन, भूख कम लगना और दूध उत्पादन में कमी आती है।
- यह संक्रमित पशुओं या दूषित पदार्थों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संपर्क से फैलता है। हालाँकि यह मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा नहीं है, लेकिन इसके तेज़ी से फैलने के कारण यह आर्थिक रूप से विनाशकारी है।

कारण और संचरण:

- **कारण :** F.M.D.पिकोर्नाविरिडे परिवार से संबंधित एक वायरस के कारण होता है, जिसके सात अलग-अलग सीरोटाइप हैं।
- **संचरण :** संक्रमित पशुओं को छूने से पशु संक्रमित हो सकते हैं। इसके अलावा वायरस दूषित उपकरणों, चारे, वाहनों और हवा के माध्यम से फैल सकता है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

लंपी स्किन डिज़ीज़ (LSD) :

- लंपी स्किन डिज़ीज़ (LSD) एक वायरस जनित बीमारी है, जो गायों और भैंसों जैसे मवेशियों को प्रभावित करती है।
- यह बीमारी लंपी स्किन डिज़ीज़ वायरस (LSDV) के कारण होती है, जो कैप्रिपॉक्सवायरस (Capripoxvirus) प्रजाति का एक जीवाणु है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान में क्रेच सेंटर्स की स्थापना

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान वित्त विभाग द्वारा प्रदेश में 'क्रेच सेंटर्स (शिशु पालना गृह)' के संचालन के सम्बन्ध में दिशानिर्देश जारी किए गए।

मुख्य बिन्दु:

- **उद्देश्य :** कामकाजी महिला और पुरुषों के बच्चों की देखभाल करना।
- **आयु सीमा :** इन क्रेच सेंटर्स में समस्त राजकीय कार्यालयों के कार्मिक एवं गैर-सरकारी व्यक्ति अपने 06 माह से 06 वर्ष के बच्चों को नामांकित करा सकेंगे।
- **संचालन :** क्रेच सेंटर्स का संचालन 'द राजस्थान ट्रान्स्पैरन्सी इन पब्लिक प्रोक्योरमेंट रूल्स, 2013' के प्रावधानों के अनुसार चयनित संस्था/एन.जी.ओ. के माध्यम से किया जायेगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **संचालन समय :** इन क्रेच सेंटर्स का संचालन समय प्रातः 09 बजे से सायं 06.30 बजे तक रहेगा तथा समस्त राजकीय कार्य दिवसों में संचालित किया जायेगा।
- **खाद्यान्न :** नामांकित बच्चों को दूध, दलिया, खिचड़ी, फल, कॉर्नफ्लेक्स इत्यादि उच्च गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री दी जाएगी।

शुल्क विवरण:

क्र. सं.	विवरण	मासिक फीस की दर (पूर्ण दिवस हेतु)	मासिक फीस की दर (आधे दिवस हेतु)
1.	राजकीय अधिकारियों / कर्मचारियों के बच्चों के लिए	₹3000/- प्रतिमाह	₹2000/- प्रतिमाह
2.	गैर सरकारी व्यक्तियों के बच्चों के लिये (स्थान उपलब्ध होने पर)	₹5000/- प्रतिमाह	₹4000/- प्रतिमाह
3.	एक दिवस के लिए	₹250/-	-
4.	एक घंटे के लिए	₹100/- प्रति घंटा	-

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **राजस्थान का पहला शिशु पालना गृह (क्रेच सेंटर) :** राजस्थान का पहला शिशु पालना गृह (क्रेच सेंटर) जयपुर ग्रेटर नगर निगम में वर्ष 2023 में शुरू किया गया था, जो किसी नगरीय निकाय में स्थापित पहला क्रेच सेंटर था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान में कॉडा इक्विना सिंड्रोम (CES) का उपचार

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, गीतांजलि हॉस्पिटल, जयपुर में भारत और एशिया में सबसे कम उम्र के 'कॉडा इक्विना सिंड्रोम (CES)' से पीड़ित बच्चे का सफल इलाज मोनोपोर्टल एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी द्वारा किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- गीतांजलि हॉस्पिटल की इस उपलब्धि को 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' और 'एशिया बुक ऑफ रिकॉर्डस' में शामिल किया गया।
- अलवर निवासी 11 वर्षीय बच्चा लम्बर डिस्क हर्नियेशन के साथ-साथ कॉडा इक्विना सिंड्रोम (CES) से ग्रसित था।
- कॉडा इक्विना सिंड्रोम (CES) रीढ़ की हड्डी के आधार पर स्थित तंत्रिका जड़ों, जिन्हें कॉडा इक्विना कहा जाता है, के संपीड़न के कारण होती है।
- इसके परिणामस्वरूप पीठ के निचले हिस्से में गंभीर दर्द, साइटिका, "सैडल" क्षेत्र में सुन्नता और मल या मूत्राशय पर नियंत्रण की कमी जैसे लक्षण उत्पन्न होते हैं।
- इस सिंड्रोम के कारण स्थायी पक्षाघात, असंयम और यौन रोग हो सकते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**एंड्योरेंस साइकिलिंग इवेंट टूर-डी-थार 2025 : मेजबान राजस्थान** ■ बीकानेर जिले के नोरंगदेसर में 23 नवंबर, 2025 को 'एंड्योरेंस साइकिलिंग इवेंट टूर-डी-थार 2025' का आयोजन किया जाएगा। ■ इसका आयोजन केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा किया जाएगा।
2.	**विकसित भारत संकल्प सम्मेलन : जयपुर** ■ हाल ही में, जयपुर स्थित 'कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान' में "विकसित भारत संकल्प सम्मेलन" का आयोजन किया गया। ■ इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे द्वारा लोकमाता अहिल्याबाई होलकर को समर्पित पुस्तक "कर्म गाथा" का लोकार्पण किया गया।
3.	**राजस्थान में इंटरस्टिशियल लंग्स डिजीज (ILD)** ■ हाल ही में सम्पन्न एक अध्ययन के अनुसार राजस्थान में इंटरस्टिशियल लंग्स डिजीज (ILD) के मामलों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। ■ इंटरस्टिशियल लंग्स डिजीज (ILD) का मुख्य कारण कबूतरों की बढ़ती संख्या है जिनकी बीट और पंखों से फैलने वाले सूक्ष्म कणों के कारण इस बीमारी के मामलों में वृद्धि हो रही है। ■ इंटरस्टीशियल लंग्स डिजीज (ILD) फेफड़ों के विकारों का एक समूह है, जिसमें फेफड़ों के ऊतकों में सूजन और निशान पड़ जाते हैं, जिससे हवा की थैली (एल्वियोली) के आसपास के हिस्से में कठोरता आ जाती है और फेफड़ों की ऑक्सीजन लेने की क्षमता कम हो जाती है।
4.	**राजस्थान में पहली बार TMJ आर्थ्रोस्कोपी मशीन** ■ हाल ही में, जयपुर स्थित राजकीय डेंटल अस्पताल में राज्य की पहली TMJ आर्थ्रोस्कोपी मशीन इन्स्टॉल की गई। ■ TMJ आर्थ्रोस्कोपी मशीन एक उन्नत शल्य चिकित्सा उपकरण है जो एक छोटे एंडोस्कोप का उपयोग करता है। इस मशीन के माध्यम से टेम्पोरोमैंडिबुलर (जबड़े) जोड़ का इलाज किया जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

सुजलम भारत शिखर सम्मेलन, 2025

चर्चा में क्यों?

- 24 सितम्बर, 2025 को जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय जल आयोग (जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग) ने "सुजलम भारत" शिखर सम्मेलन के हिस्से के रूप में "कुशल जल प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी" विषय पर एक वर्चुअल कार्यशाला का आयोजन किया।

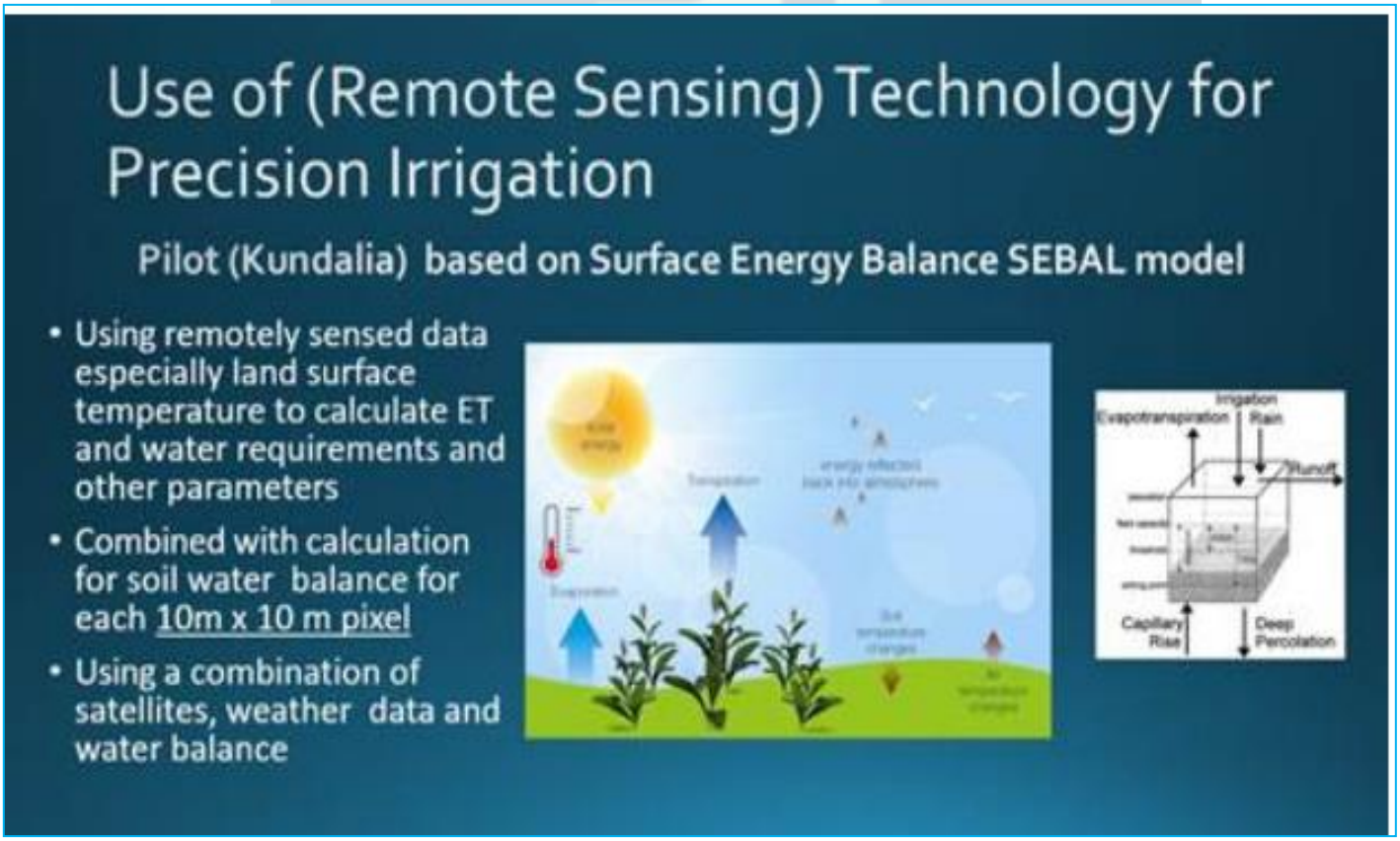

मुख्य बिन्दु:

- **उद्देश्य :** देशभर से जमीनी अनुभव और सुझाव लेकर राष्ट्रीय और राज्य स्तर की नीतियों को अधिक प्रभावी बनाना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- कार्यशाला में कुशल जल प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकियों के प्रचार और स्केलिंग पर ध्यान केंद्रित करके इस प्रमुख रणनीति पर चर्चा की गई।

इस विषय के प्रमुख पहलुओं में शामिल थे:

1. **कृषि दक्षता :** नहर और भूजल-सिंचित क्षेत्रों में सूक्ष्म-सिंचाई प्रणालियों जैसी प्रौद्योगिकियों को बढ़ाना और खेत में जल दक्षता में सुधार करना।
2. **आधुनिकीकरण और स्वचालन :** CWC तृतीयक नहर वितरण प्रणालियों के आधुनिकीकरण को प्राथमिकता दे रहा है और जल प्रबंधन में रिमोट सेंसिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग को बढ़ावा दे रहा है। इसमें जल संसाधन योजना, संवहन दक्षता बढ़ाने, वितरण को अनुकूलित करने, लीक का पता लगाने और कृषि, घरेलू और औद्योगिक क्षेत्रों में पानी की मात्रा और गुणवत्ता की निगरानी करने में अनुप्रयोग शामिल हैं।
3. **जल संरक्षण और लेखांकन :** इस विषय में घरों और उद्योगों के लिए जल-कुशल उपकरणों को बढ़ावा देना, थोक जल आपूर्ति की निगरानी करना और गैर-लाभकारी जल नुकसान को कम करना भी शामिल है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (NMC)

चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (NMC) के गठन के 5 साल पूरे।

मुख्य बिन्दु:

- यह राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग अधिनियम, 2019 के तहत गठित एक सांविधिक संस्था है।
- NMC अधिसूचना के माध्यम से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 के तहत गठित भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद (MCI) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स को भंग कर दिया गया।
- **उद्देश्य:** गुणवत्तापूर्ण और वहनीय चिकित्सा शिक्षा तक पहुँच में सुधार करना।

कार्य:

- चिकित्सा संस्थानों, चिकित्सा शोधकर्ताओं और चिकित्सा पेशेवरों को विनियमित करने के लिए नीतियों का निर्धारण करना।
- स्वायत्त बोर्डों के बीच समन्वय सुनिश्चित करना आदि।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

K वीजा

चर्चा में क्यों?

- K वीजा चीन द्वारा जारी नई वीजा श्रेणी है, जो 1 अक्टूबर से लागू होगी।

मुख्य बिन्दु:

K वीजा नीति:

- इसका उद्देश्य विशेष रूप से विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के उन विदेशी विशेषज्ञों को आकर्षित करना है, जो चीन द्वारा निर्धारित कुछ शर्तों और आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।
  - इसके तहत सभी विदेशी नागरिक चीन में प्रवेश कर सकते हैं, भले ही उनके पास निश्चित नौकरी नहीं भी है।
  - यह चीन में एक से अधिक बार प्रवेश करने, दीर्घकालिक वैधता और लंबे समय तक प्रवास की अनुमति देता है।
- **पात्र आवेदक:** पात्र आवेदकों में STEM (Science, Technology, Engineering and math) क्षेत्र के स्नातक शामिल हैं, जिन्होंने मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों या शोध संस्थानों से कम से कम स्नातक की डिग्री प्राप्त की है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी : रूस

चर्चा में क्यों?

- भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष पहली बार रूस के काल्मिकिया गणराज्य की राजधानी एलिस्ता में प्रदर्शित किए जा रहे हैं।
- पवित्र अवशेषों को एलिस्ता स्थित गेदेन शेडुप चोइकोर्लिंग मठ (Golden Abode of Shakyamuni Buddha) में रखा जाएगा। यह मठ तिब्बती बौद्ध धर्म का प्रमुख केंद्र है और वर्ष 1996 में आम जनता के लिए खोला गया था।

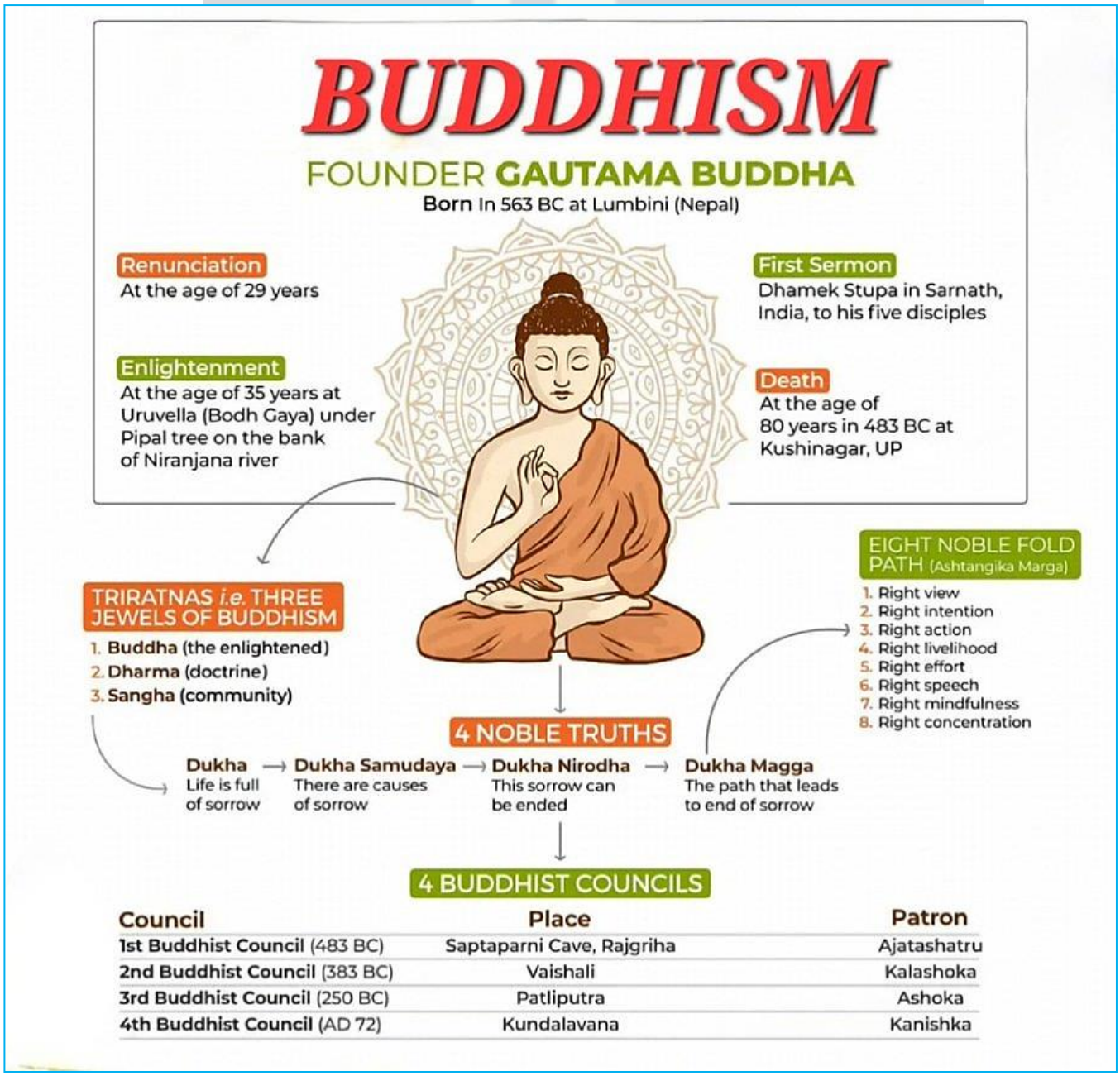

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **प्रदर्शित :** यह 'फर्स्ट एक्सपोजिशन' काल्मिकिया की राजधानी एलिस्ता में 24 से 28 सितंबर, 2025 तक आयोजित होने वाले तीसरे अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन के दौरान होगा।
- **Note:** तीसरे अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन, 2025 का विषय: "Buddhism in the New Millennium" ।
- **आयोजन का नेतृत्व :** भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय, इंटरनेशनल बौद्ध कॉन्फेडरेशन (IBC), राष्ट्रीय संग्रहालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा हैं।
- **समझौते (MoUs):** इस अवसर पर दो महत्वपूर्ण समझौते (MoUs) जिनमें पहला, रूस के सेंट्रल स्पिरिचुअल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ बौद्धिस्ट रशिया और IBC के मध्य तथा दूसरा, IBC और नालंदा विश्वविद्यालय के मध्य हस्ताक्षरित होंगे।
- **अवशेष :** इनमें "बुद्ध के जीवन की चार महान घटनाएं", "शाक्य वंश की धरोहर-पिपरहवा से प्राप्त अवशेष" और "द आर्ट ऑफ स्टिलनेस- राष्ट्रीय संग्रह से बौद्ध कला" शामिल हैं।
- IBC एक विशेष AI चैटबॉट (नोरबु-द कल्याण मित्र) का प्रदर्शन भी करेगा, जो रूसी भाषा में बुद्ध धम्म की जानकारी उपलब्ध कराएगा।
- संस्कृति मंत्रालय की पांडुलिपि शाखा और IBC 'कंजूर' (मंगोलियाई धार्मिक ग्रंथ, 108 खंड) की प्रतियां नौ बौद्ध संस्थानों और एक विश्वविद्यालय को भेंट करेंगे।
- **काल्मिकिया:** यूरोप का एकमात्र बौद्ध गणराज्य है, जो कैस्पियन सागर से सटा हुआ है। यहां की काल्मिक जाति 17वीं सदी में पश्चिमी मंगोलिया से आई ओइरात मंगोल जनजाति के वंशज हैं और महायान बौद्ध धर्म का पालन करते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

- हाल के वर्षों में बुद्ध के पवित्र अवशेषों को कई देशों में प्रदर्शनी हेतु भेजा गया है।
  - वर्ष 2022 में पिपरहवा अवशेष ; मंगोलिया
  - वर्ष 2024 में सांची अवशेष ; थाईलैंड
  - वर्ष 2025 में सारनाथ अवशेष : वियतनाम
  - इस बार काल्मिकिया ले जाए जा रहे अवशेष नई दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालय की बौद्ध गैलरी से हैं।
- जुलाई, 2025 में भारत के प्रयासों से 127 वर्षों बाद हांगकांग से पिपरहवा के पवित्र अवशेष भारत वापिस लाए गए।
- पिपरहवा स्थल : उत्तर प्रदेश (बस्ती जिले के बर्डपुर क्षेत्र) से वर्ष 1898 में विलियम क्लैक्सटन पेपे द्वारा खुदाई के दौरान बुद्ध से जुड़े अस्थि और आभूषण प्राप्त किए थे।
- बाद में वर्ष 1971 से 1977 के मध्य के.एम. श्रीवास्तव के नेतृत्व में खुदाई में और अस्थि अवशेष मिले, जिन्हें 4वीं–5वीं शताब्दी ईसा पूर्व का माना गया।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने पिपरहवा को कपिलवस्तु की प्राचीन नगरी के रूप में पहचाना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण योजनाएँ

क्षमता निर्माण और मानव संसाधन विकास योजना

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने पंद्रहवें वित्त आयोग 2021-22 से 2025-26 की अवधि के लिए 2277.397 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ "क्षमता निर्माण और मानव संसाधन विकास" पर वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग/वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (DSIR/CSIR) योजना को मंजूरी दे दी है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **मंजूरी :** 24 सितम्बर, 2025
- **कार्यान्वित :** वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद।
- इस योजना में देश भर के सभी अनुसंधान एवं विकास संस्थान, राष्ट्रीय प्रयोगशालाएं, राष्ट्रीय महत्व के संस्थान, प्रतिष्ठित संस्थान और विश्वविद्यालय शामिल किए जाएंगे।
- यह पहल विश्वविद्यालयों, उद्योग, राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं और शैक्षणिक संस्थानों में करियर बनाने के इच्छुक युवा, उत्साही शोधकर्ताओं के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करती है।

CSIR की अम्ब्रेला योजना "क्षमता निर्माण और मानव संसाधन विकास (CBHRD)" की चार उप-योजनाएँ हैं,

1. डॉक्टरेट और पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप।
2. एक्स्ट्राम्यूरल रिसर्च स्कीम, एमेरेटस साइंटिस्ट स्कीम और भटनागर फेलोशिप कार्यक्रम।
3. पुरस्कार योजना के माध्यम से उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और मान्यता प्रदान करना।
4. यात्रा और संगोष्ठी अनुदान योजना के माध्यम से ज्ञान साझाकरण को बढ़ावा देना।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

- विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO) की रैंकिंग के अनुसार, भारत ने वर्ष 2024 में वैश्विक नवाचार सूचकांक (GII) में अपनी स्थिति सुधारकर 39वीं रैंक प्राप्त कर ली है।
- NSF, USA के आंकड़ों के अनुसार, भारत अब वैज्ञानिक शोधपत्र प्रकाशनों के मामले में शीर्ष तीन में शामिल है। DSIR की योजना हजारों शोधार्थियों और वैज्ञानिकों को सहायता प्रदान कर रही है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक परिदृश्य

नए इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना

चर्चा में क्यों?

- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की वेव्स पहल (KIAVES) के अंतर्गत समर्पित स्टार्टअप एक्सेलरेटर प्लेटफॉर्म- 'वेवएक्स' ने भारत में सात नए इनक्यूबेशन सेंटर शुरू करने की घोषणा की है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- यह सात केंद्र भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (IITC) मुंबई के अलावा होंगे। यह पहली बार है जब AVGC (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स) और एक्सआर (एक्सटेंडेड रियलिटी) क्षेत्रों में स्टार्टअप्स के लिए विशेष रूप से एक समर्पित एक्सेलरेटर-सह-इनक्यूबेटर कार्यक्रम शुरू किया गया है।

सात नए केंद्र : नए घोषित ये केंद्र निम्नलिखित संस्थानों में स्थापित किए जाएंगे:

1. भारतीय जनसंचार संस्थान (IIMC), दिल्ली
2. IIMC, जम्मू
3. IIMC, ढेंकनाल, ओडिशा
4. IIMC, कोट्टायम, केरल
5. IIMC, अमरावती, महाराष्ट्र
6. भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (FTII), पुणे, महाराष्ट्र
7. सत्यजीत रे फिल्म और टेलीविजन संस्थान (SRFTI), कोलकाता, पश्चिम बंगाल

वेवएक्स का इन्क्यूबेशन मॉडल दो चरणों में संचालित होता है:

1. **सक्रिय चरण :** व्यवसाय मॉडलिंग, उत्पाद विकास, ब्रांडिंग, धन जुटाने और मीडिया विनियमन में गहन सहायता।
2. **निष्क्रिय चरण :** वेव्स बाजार के माध्यम से वैश्विक प्रदर्शन के अवसरों और निवेशक/उद्योग के साथ सहभागिता।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

- **इनक्यूबेशन सेंटर (incubation center) :** वह संगठन या स्थान है जो शुरुआती दौर के उद्यमियों को उनके नवोन्मेषी विचारों को सफल व्यवसायों में बदलने में मदद करने के लिए संसाधन, मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान करता है, यह जगह सह-कार्य स्थान, मेंटरशिप, प्रशिक्षण, नेटवर्किंग के अवसर और वित्तपोषण तक पहुंच जैसी सुविधाएं प्रदान करती है ताकि स्टार्टअप्स तेज़ी से बढ़ सकें।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **'समर्थ' इन्क्यूबेशन कार्यक्रम:** भारत सरकार के दूरसंचार विभाग के एक स्वायत्त दूरसंचार अनुसंधान एवं विकास केंद्र, सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) द्वारा 'समर्थ' नामक इन्क्यूबेशन कार्यक्रम का पहला समूह लॉन्च किया गया।
- भारतीय सेना ने बेंगलुरु में AI इनक्यूबेशन सेंटर (IAAIIC) का उद्घाटन किया है, जिसका उद्देश्य एआई के माध्यम से संचालन में क्रांतिकारी बदलाव लाना है।

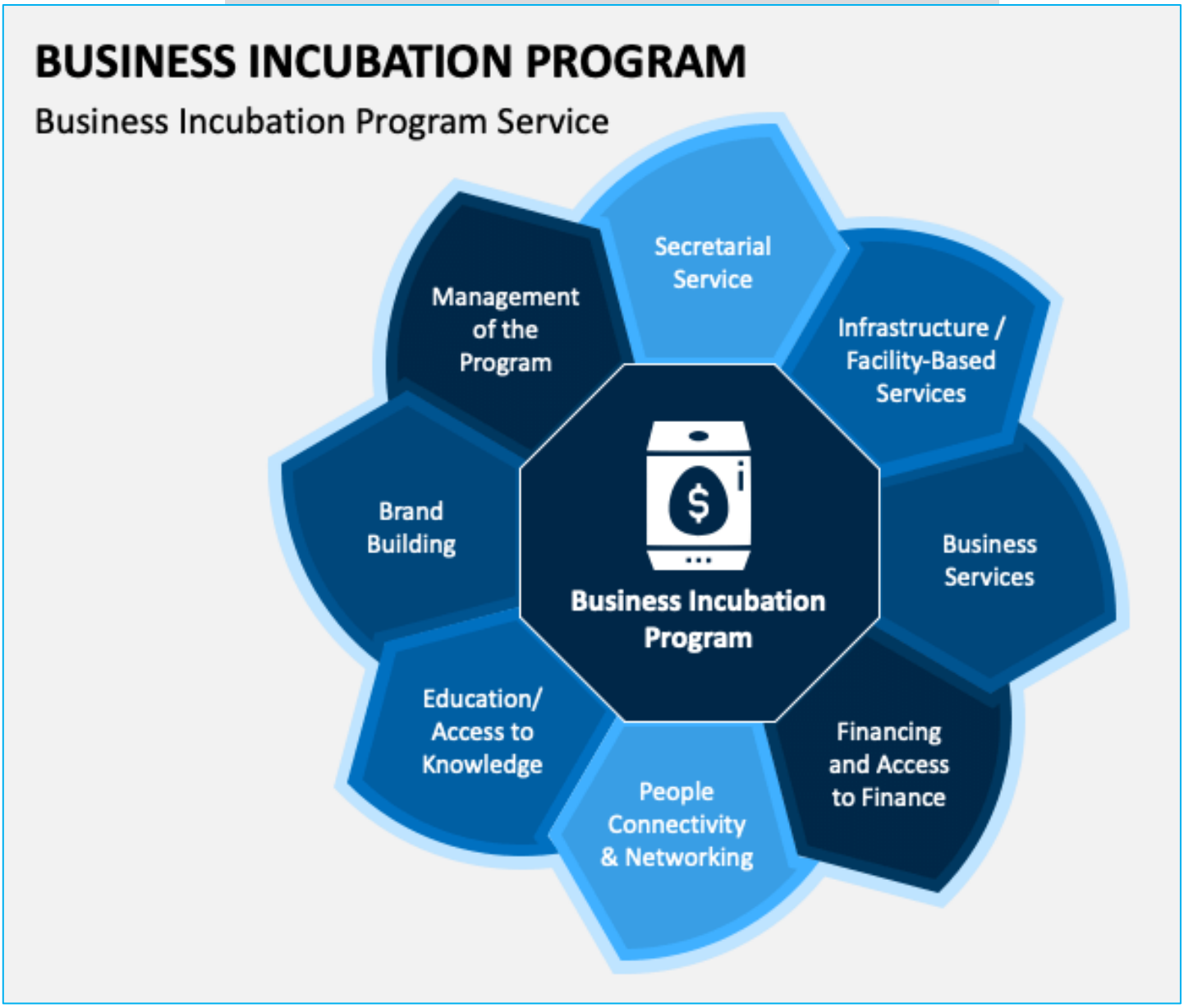

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजव्यवस्था

मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (ACC)

मुख्य बिन्दु:

- मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) के कार्यकाल को मई 2026 तक बढ़ाने को मंज़ूरी दी है।

मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (ACC):

- यह केंद्रीय कार्यपालिका की आठ मंत्रिमंडलीय समितियों में से एक है।
- **संरचना:** यह दो-सदस्यीय समिति है। इसके अध्यक्ष प्रधान मंत्री हैं, और केंद्रीय गृह मंत्री एकमात्र सदस्य के रूप में शामिल होते हैं।

उत्तरदायित्व:

- सचिवों, अपर सचिवों और संयुक्त सचिवों जैसे वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की नियुक्ति करना।
- सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSUs), सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों और सरकारी स्वायत्त संस्थाओं में शीर्ष पदों पर नियुक्तियों का निर्णय लेना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

संविधान की छठी अनुसूची

चर्चा में क्यों?

- केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची के तहत जनजातीय क्षेत्र का दर्जा देने की मांग को लेकर हाल ही में विरोध-प्रदर्शन हुआ।

मुख्य बिन्दु:

छठी अनुसूची

- **संवैधानिक प्रावधान-** संविधान की धारा 244 संविधान की छठी अनुसूची का प्रावधान है जो असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के विशिष्ट क्षेत्रों पर लागू होती है
- **उद्देश्य-**यह स्वायत्त जिला परिषदों (एडीसी) नामक स्वायत्त प्रशासनिक प्रभागों के गठन का प्रावधान करता है जिनके पास राज्य के भीतर कुछ विधायी, न्यायिक और प्रशासनिक स्वायत्तता होती है।
- संसद या राज्य विधानमंडल के अधिनियम स्वायत्त जिलों और स्वायत्त क्षेत्रों पर लागू नहीं होते हैं, या निर्दिष्ट संशोधनों और अपवादों के साथ लागू होते हैं

लाभ

- **शक्तियों का लोकतांत्रिक हस्तांतरण-** छठी अनुसूची ने स्वायत्त जिला परिषदों के निर्माण के माध्यम से शक्तियों के लोकतांत्रिक हस्तांतरण में मदद की है, जिनके पास राज्य के भीतर कुछ विधायी, न्यायिक और प्रशासनिक स्वायत्तता है।
- **सांस्कृतिक प्रथाओं और रीति-रिवाजों का संरक्षण-**जनजातीय भाषा, रीति-रिवाजों और प्रथाओं का संरक्षण किया जाता है। पूर्व-बोडोलैंड की बोडो भाषा को संरक्षित किया गया।
- **आदिवासी भूमि अधिकारों का संरक्षण-**स्वायत्त परिषदों को भूमि, वन और मत्स्य पालन जैसे मामलों पर कानून बनाने की शक्तियाँ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **ग्रांट-इन फंड्स-**वित्त आयोग छठी अनुसूचित क्षेत्रों के लिए ग्रांट-इन सहायता की सिफारिश करता है
- **सतत सामाजिक-आर्थिक विकास-** स्थिरता के प्रमुख गुण के अनुरूप किसी क्षेत्र का सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित करता है।

समस्याएँ

- **सीमित भौगोलिक कवरेज-**केवल असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के कुछ आदिवासी इलाकों तक ही सीमित है
- **प्रभावी विकेंद्रीकरण का अभाव-**कई जिलों में केवल एक स्वायत्त परिषद है। पूर्व के लिए-संपूर्ण बोडो प्रादेशिक क्षेत्र के जिलों के लिए केवल एक जिला परिषद
- **स्वायत्त परिषदों पर राज्य की विधायी शक्ति-** परिषदों द्वारा बनाए गए कानूनों के लिए राज्यपाल की सहमति की आवश्यकता होती है। विवाद की स्थिति में राज्यपाल की सहमति मान्य होती है।
- **वित्तीय निर्भरता -** केंद्र से कभी-कभार मिलने वाले विशेष पैकेज के अलावा धन के लिए राज्य सरकारों पर निर्भरा राज्य वित्त आयोग (एसएफसी) के समय पर गठन का अभाव
- भ्रष्टाचार, वित्तीय कुप्रबंधन और कुशल पेशेवरों की कमी

आगे का रास्ता

- **भौगोलिक कवरेज बढ़ाएँ-** अन्य आदिवासी बहुल क्षेत्रों में 6वीं अनुसूचित क्षेत्रों के कवरेज का विस्तार करने के लिए संवैधानिक संशोधन, जिन्हें सुरक्षा की आवश्यकता है। पूर्व-लद्दाख को छठी अनुसूची में शामिल करना।
- **नियमित चुनाव सुनिश्चित करना-** राज्य सरकारों को इन स्वायत्त परिषदों के लिए नियमित, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना चाहिए। पूर्व के लिए जनजातीय अभिजात वर्ग के प्रभुत्व को कम करना।
- **पारदर्शिता-** प्रभावी सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए स्वायत्त जिला परिषदों के धन, पदाधिकारियों और कामकाज में पारदर्शिता बढ़ाई जानी चाहिए।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

छठी अनुसूची:

- संविधान के अनुच्छेद 244(2) और 275(1) के तहत असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों में जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के लिए प्रावधान किए गए हैं।
- यह राज्यपाल को उपर्युक्त चार राज्यों में स्वायत्त जिला परिषद (ADCs) और स्वायत्त क्षेत्रीय परिषद (ARCs) गठित करने का अधिकार प्रदान करती है।
- यदि किसी स्वायत्त जिले में अलग-अलग अनुसूचित जनजातियाँ हों, तो स्वायत्त क्षेत्रीय परिषदों का गठन किया जाता है।
- स्वायत्त जिला परिषदों और स्वायत्त क्षेत्रीय परिषदों को जमीन, जंगलों के प्रबंधन, संपत्ति के उत्तराधिकार, विवाह जैसे मामलों में विधायी, कार्यकारी, न्यायिक और वित्तीय शक्तियां दी गई हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण पोर्टल एवं एप

GSTAT और GSTAT ई-कोर्ट्स पोर्टल

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री ने GSTAT और GSTAT ई-कोर्ट्स पोर्टल की शुरुआत की।

मुख्य बिन्दु:

- GST अपीलीय अधिकरण (GSTAT) की स्थापना वस्तु एवं सेवा कर (GST) व्यवस्था के विकास में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यह देश में अप्रत्यक्ष करों से जुड़े विवादों के समाधान के लिए संस्थागत ढांचे को मजबूत भी बनाता है।

GSTAT:

- यह केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 (CGST अधिनियम) की धारा 109 के तहत स्थापित द्वितीय अपीलीय प्राधिकरण है।
- जब किसी करदाता का कोई विवाद होता है, तो पहली अपील कर प्रशासन के भीतर ही की जाती है।
- **उद्देश्य:** GST अपीलीय प्राधिकरणों द्वारा दिए गए आदेशों के खिलाफ अपील सुनना और करदाताओं को न्याय के लिए मंच उपलब्ध कराना।
- इसकी संरचना सहकारी संघवाद की भावना को दर्शाती है और इसे निष्पक्ष व समान निर्णय देने के लिए बनाया गया है।
- **पीठें:** यह नई दिल्ली में एक प्रधान पीठ और पूरे भारत में 45 स्थानों पर 31 राज्य पीठों के माध्यम से काम करेगा। इससे सुगमता और राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच सुनिश्चित की जा सकेगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **संरचना: GSTAT की प्रत्येक पीठ में 2 न्यायिक सदस्य तथा 1 तकनीकी सदस्य केंद्र से और 1 तकनीकी सदस्य राज्य से होंगे।**

GSTAT ई-कोर्ट्स पोर्टल:

- **यह डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है, जिसके माध्यम से करदाता ऑनलाइन अपील दाखिल कर सकते हैं, मामलों की प्रगति को ट्रैक कर सकते हैं और सुनवाई में डिजिटल तरीके से भाग ले सकते हैं।**
- **इसे राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) के सहयोग से वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (GSTN) ने विकसित किया है।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

ECINET पोर्टल

चर्चा में क्यों?

- भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने अपने ECINET पोर्टल और एप्लिकेशन पर ई-साइन सुविधा शुरू की है।

मुख्य बिन्दु:

- कोई भी व्यक्ति जो मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने या मतदाता सूची से नाम हटवाने या अपने विवरण में सुधार करने के लिए आवेदन करना चाहता है, उसे अपने आधार-लिंक्ड मोबाइल नंबर से अपनी पहचान सत्यापित करनी होगी।

ECINET:

- ECINET, निर्वाचन आयोग का एकीकृत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है। यह चुनाव संबंधी प्रक्रियाओं को सरल बनाता है।
- यह मतदाता हेल्पलाइन ऐप, cVIGIL, सुविधा 2.0 जैसे 40 मौजूदा ऐप्स को एकीकृत करता है।
- इसे चुनाव-संबंधी सभी सेवाओं के लिए सिंगल पॉइंट इंटरफेस के रूप में डिजाइन किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

व्यक्तित्व

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती

चर्चा में क्यों?

- 25 सितंबर 1916 में जन्मे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद का समर्थन किया तथा समग्र विकास, सांस्कृतिक मूल्यों और कल्याण को बढ़ावा दिया।

मुख्य बिन्दु:

- उनकी जयंती को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- **जन्म:** नगला चंद्रभान (मथुरा जिला, उत्तर प्रदेश)। (25 सितंबर, 1916 – 11 फरवरी, 1968)
- **सिद्धांत:** उन्होंने पश्चिमी पूंजीवाद और मार्क्सवादी समाजवाद के स्वदेशी भारतीय विकल्प के रूप में एकात्म मानववाद का सिद्धांत प्रस्तुत किया।
- यह सिद्धांत मानव के चार तत्वों, शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के समग्र विकास और सामंजस्यपूर्ण एकीकरण पर जोर देता है।
- **विरासत:** साप्ताहिक 'पाञ्चजन्य और दैनिक 'स्वदेश' जैसी पत्रिकाओं का संपादन किया तथा इनके माध्यम से राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रसार किया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

खेल

स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप, 2025

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री ने 13 से 21 सितंबर, 2025 तक चीन के बेइदाईहे में आयोजित 73वीं इनलाइन स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप-2025 में देश के लिए पदक विजेताओं को सम्मानित किया।

मुख्य बिन्दु:

- **स्पर्धाएं :** सीनियर और जूनियर श्रेणियों में 42 स्पर्धाएं हुईं।
- **भारत के पदक :** भारतीय स्केटिंग टीम ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पांच पदक (तीन स्वर्ण, दो कांस्य) जीतकर 40 से अधिक देशों में पांचवां स्थान हासिल किया।

इस ऐतिहासिक प्रदर्शन की उपलब्धियां :

- स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप में भारत का पहला सीनियर पदक,
- जूनियर वर्ग में पहला स्वर्ण पदक, और
- विश्व चैंपियनशिप में भारत के लिए अब तक का सर्वोच्च पदक।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

खिलाड़ियों का प्रदर्शन:

- **भारतीय दल :** भारतीय दल में 20 एथलीट (चार सीनियर पुरुष, चार सीनियर महिला, पांच जूनियर पुरुष, सात जूनियर महिला) शामिल थे, जिन्होंने चैंपियनशिप में भाग लिया।

1. **आनंदकुमार वेलकुमार (22) :** सीनियर वर्ग में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। उन्होंने दो स्वर्ण (1000 मीटर स्प्रिंट और 42,195 मीटर मैराथन) और एक कांस्य (500 मीटर स्प्रिंट) जीता।
2. **कृष शर्मा (18) :** 1000 मीटर स्प्रिंट में भारत का पहला जूनियर स्वर्ण पदक जीता।
3. **अनीश राज (17) :** जूनियर पुरुष वन लैप स्प्रिंट में कांस्य पदक जीता।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना : हरियाणा**

- **लॉन्च :** 25 सितंबर, 2025 को पंचकुला से।
- **वित्तीय सहायता :** इस योजना के तहत गरीब परिवारों की महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जाएगी।
- **उद्देश्य :** महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2.

7वां फ्यूचर फूड फोरम, 2025: दुबई

- **उद्घाटन :** 23 सितम्बर, 2025 को अब्दुल्ला बिन तौक अल मारी द्वारा।
- **समापन :** 25 सितम्बर, 2025
- **आयोजन :** दुबई
- **उद्देश्य :** नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं और शिक्षाविदों को वैश्विक दक्षिण में खाद्य सुरक्षा, व्यापार और नवाचार को आगे बढ़ाने हेतु एक साथ एक मंच पर लाना।
- **आयोजक :** अर्थव्यवस्था और पर्यटन मंत्रालय, यूएई
- **चर्चाओं का मुख्य विषय :** प्रौद्योगिकी, टिकाऊ प्रथाओं और सीमा पार साझेदारी के माध्यम से लचीले खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3. हेरोल्ड डिकी बर्ड : अंपायर

- इंग्लैंड के अंपायर हेरोल्ड डिकी बर्ड का 92 वर्ष उम्र में साउथ यॉर्कशायर, इंग्लैंड के बार्न्सली में निधन हो गया।

उपलब्धियां :

- डिकी ने वर्ष 1973 से 1996 तक के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 66 टेस्ट, 69 एकदिवसीय और सात महिला एकदिवसीय मैचों में अंपायरिंग की।
- दाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के ऑफ-ब्रेक गेंदबाज, डिकी ने यॉर्कशायर और लीसेस्टरशायर के लिए 93 प्रथम श्रेणी मैच खेले और दो शतकों और 14 अर्धशतकों सहित 3,314 रन बनाए।

4. प्रगति की 49वीं बैठक

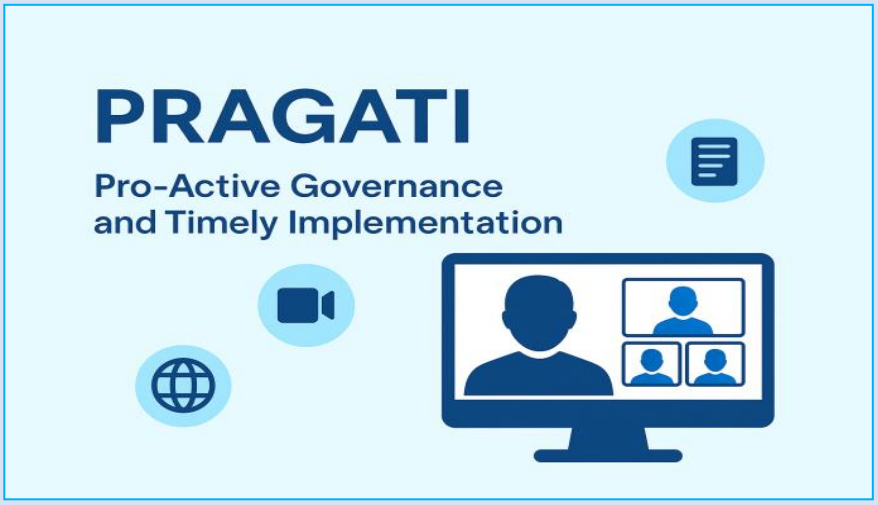

- 24 सितम्बर, 2025 को दिल्ली में प्रधानमंत्री ने प्रगति (PRAGATI – Pro-Active Governance and Timely Implementation) की 49वीं बैठक की अध्यक्षता की।
- गौरतलब है कि प्रगति (PRAGATI) एक ICT-आधारित बहु-आयामी प्लेटफॉर्म है, जो केंद्र और राज्यों के बीच सेतु का काम करता है। इसका मकसद प्रमुख परियोजनाओं को तेज गति से आगे बढ़ाना और तय समयसीमा में पूरा करना है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

5.

भारत की पहली विदेशी रक्षा विनिर्माण सुविधा : मोरक्को

- भारत और मोरक्को ने संयुक्त रूप से टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (TASL) की मोरक्को के बेरेचिड में रक्षा विनिर्माण सुविधा का उद्घाटन किया।
- यह सुविधा TASL और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा संयुक्त रूप से डिजाइन किए गए स्वदेशी रूप से विकसित पहिएदार बख्तरबंद प्लेटफॉर्म का उत्पादन करेगी।
- यह मोरक्को साम्राज्य की सबसे बड़ी रक्षा विनिर्माण सुविधा है, जो अफ्रीका में किसी भारतीय निजी कंपनी द्वारा स्थापित पहला ऐसा संयंत्र है।

अन्य बिंदु:

मोरक्को :

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR